

शिक्षा की बैठक • सीआरएसयू शैक्षणिक परिषद की मीटिंग में कई पैसलों पर सहमति यूजी और पीजी अंतिम सेमेस्टर के पुनः परीक्षा देने वाले छात्रों को मिल सकेगा मर्सी चांस

मारुषन्धा| जींद

विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संबद्ध कॉलेजों के स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर के पुनः परीक्षा देने वाले छात्रों को मौका मिल सकेगा। सीआरएसयू में आयोजित 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक में विशेष और मर्सी चांस की स्वीकृति भी दी गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए वीसी प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 एक ज्ञान-आधारित समाज के निर्माण का खाका है। इन संशोधित योजनाओं, पाठ्यक्रमों और अन्य शैक्षिक पहलुओं को मंजूरी देकर, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे छात्र भविष्य के लिए तैयार कौशल, अंतर्विषयक ज्ञान और मजबूत

नैतिक आधार से लैस हों।' स्वीकृत पाठ्यक्रमों में लचीली क्रेडिट प्रणाली, व्यवसायिक शिक्षा का एकीकरण और अनुसंधान तथा अनुभावात्मक शिक्षा पर जोर शामिल है। बैठक में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला एक वृत्तचित्र प्रस्तुत किया गया। शैक्षणिक प्रगति पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई, जिसमें नामांकन रुझान, अनुसंधान परिणाम, संकाय विकास पहल और हल्ल के बांधों में लागू की गई छात्र-केंद्रित सुधारों पर अपडेट शामिल थे। प्रस्तुति में भविष्य की योजनाओं, जैसे ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों का विस्तार, उद्योग-शैक्षणिक भागीदारी को बढ़ाना और परिसर में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना आदि को भी रेखांकित किया गया। बैठक में सभी शैक्षणिक परिषद सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक में इन निर्णयों को मिली मंजूरी

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संबद्ध कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अद्यतन योजनाओं को मंजूरी
- शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बीए, बीएड, एमएड, एमएड विशेष शिक्षा, बीए बीएड/बीएससी बीएड, एमएड, एमएड विशेष शिक्षा, और एमपीईएस के प्रॉस्पेक्टस को स्वीकृति।
- कॉलेजों को बीबीए, बीएससी. कंयूटर साइंस, और बीएससी. स्पोर्ट्स पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अस्थायी संबद्धता का निर्णय। इसके अतिरिक्त, शैक्षिक कॉलेजों के निरीक्षण रिपोर्टों को भी परिषद के सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया।
- विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संबद्ध कॉलेजों के स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर के पुनः परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए विशेष और मर्सी चांस की स्वीकृति भी दी गई।

ਸੀ.ਆਰ.ਏਸ.ਯੂ. ਸ਼ੈਕਣਿਕ ਪਰਿ਷ਦ ਕੀ ਬੈਠਕ ਆਯੋਜਿਤ

ਜੰਦ, 15 ਸਿਤਮ਼ਬਰ (ਲਲਿਤ) : ਚੌਥੀ ਰਣਗੜ ਸਿੱਖ ਵਿਖਵਿਦਾਲਾਅ (ਸੀ.ਆਰ.ਏਸ.ਯੂ.) ਜੰਦ ਨੇ ਉਚ ਸ਼ਿਕਾ ਕੀ ਰਾਖੀਅ ਮਾਨਕਾਂ ਕੇ ਅਨੁਰੂਪ ਲਾਨੇ ਕੀ ਦਿਸਾ ਮੇਂ ਏਕ ਮਹਤਵਪੂਰਣ ਕਦਮ ਤਹਾਤੋਂ ਹੁਏ ਕੁਲਗੁਰੂ ਪ੍ਰੋ. ਰਾਮਪਾਲ ਸੈਨੀ ਕੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਮੇਂ ਅਪਨੀ 26ਵੀਂ ਸ਼ੈਕਣਿਕ ਪਰਿ਷ਦ ਕੀ ਬੈਠਕ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀ। ਕੁਲਗੁਰੂ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਰਾਖੀਅ ਸ਼ਿਕਾ ਨੀਤੀ 2020 ਏਕ ਜਾਨ-ਆਧਾਰਿਤ ਸਮਾਜ ਕੇ ਨਿਰਮਾਣ ਕਾ ਖਾਕਾ ਹੈ।

ਇਨ ਸੰਸਥਾਵਿਤ ਯੋਜਨਾਓਂ, ਪਾਟਿਆਕਮਾਂ ਔਰ ਅਨ੍ਯ ਸ਼ੈਕਿਕ ਪਹਲੁਆਂ ਕੋ ਮੰਜੂਰੀ ਦੇਕਰ, ਹਮ ਯਹ ਸੁਨਿਖਿਤ ਕਰ ਰਹੇ ਹੋਏ ਕਿ ਹਮਾਰੇ ਛਾਤ੍ਰ ਭਵਿ਷ਾ ਕੇ ਲਿਏ ਤੈਤਾਰ ਕੌਸ਼ਲ, ਅੰਤਰਿਧਾਰਕ ਜਾਨ ਔਰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਨੈਤਿਕ ਆਧਾਰ ਸੇ ਲੈਸ ਹੋਣਾ। ਸ਼ੀਕੂਤ ਪਾਟਿਆਕਮਾਂ ਮੇਂ ਲੋਚੀਲੀ ਕ੍ਰੇਡਿਟ ਪ੍ਰਣਾਲੀ, ਵਾਵਸਾਇਕ ਸ਼ਿਕਾ ਕਾ ਏਕੀਕਰਣ ਔਰ ਅਨੁਸਥਾਨ ਤਥਾ ਅਨੁਭਾਵਾਤਮਕ ਸ਼ਿਕਾ ਪਰ ਜਾਰ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੈ, ਜੋ ਕਲਾ, ਵਿਜਾਨ, ਵਾਣਿਜਿਕ, ਸ਼ਿਕਾ ਔਰ ਵਾਵਸਾਇਕ ਅਧਿਧਨ ਜੈਸੇ ਕਥੇਤੋਂ ਮੇਂ ਸ਼ਾਤਕ, ਸ਼ਾਤਕੋਤਰ ਔਰ ਡਿਪਲੋਮਾ ਕਾਰਕਮਾਂ ਕੋ ਲਾਭਾਨਵਿਤ ਕਰੇਗਾ।

ਬੈਠਕ ਮੇਂ ਕਈ ਮਹਤਵਪੂਰਣ ਨਿਰਣਾ ਲਿਏ ਗਏ, ਜਿਨਮੇਂ ਰਾਖੀਅ ਸ਼ਿਕਾ ਨੀਤੀ (ਏਨ.ਈ.ਪੀ.) 2020 ਕੇ ਅਨੁਰੂਪ ਵਿਖਵਿਦਾਲਾਅ ਕੇ ਸ਼ਿਕਣ ਵਿਭਾਗਾਂ (ਯੂ.ਟੀ.ਡੀ.) ਔਰ ਸੰਬੰਧ ਕਾਲੋਜ਼ੋਂ ਕੇ ਵਿਭਿਨ ਪਾਟਿਆਕਮਾਂ ਕੇ ਲਿਏ ਅਦਾਤਨ ਯੋਜਨਾਓਂ ਔਰ ਪਾਟਿਆਕਮਾਂ ਕੋ



ਪਰਿ਷ਦ ਕੀ ਮੀਟਿੰਗ ਮੌਜੂਦ ਸਦਸ਼ਾ।

ਮੰਜੂਰੀ ਦੀ ਗਈ। ਇਸਕੇ ਸਾਥ ਹੀ, ਸ਼ੈਕਣਿਕ ਸਤ੍ਰ 2025-26 ਕੇ ਲਿਏ ਬੀ.ਏਡ., ਬੀ.ਏਡ. ਵਿਸ਼ੇ਷ ਸ਼ਿਕਾ, ਬੀ.ਏ. ਬੀ.ਏਡ./ਬੀ.ਏਸਸੀ. ਬੀ.ਏਡ., ਏਮ.ਏਡ., ਏਮ.ਏਡ. ਵਿਸ਼ੇ਷ ਸ਼ਿਕਾ ਔਰ ਏਮ.ਪੀ.ਈ.ਏਸ. ਕੇ ਪ੍ਰੋਫੈਕਟਸ ਕੋ ਭੀ ਸ਼ੀਕੂਤ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀ ਗਈ। ਬੈਠਕ ਮੇਂ ਵਿਭਿਨ ਸ਼ਿਕਾ ਕਾਲੋਜ਼ੋਂ ਕੋ ਬੀ.ਬੀ.ਏ., ਬੀ.ਏਸਸੀ. ਕੰਘੂਰ ਸਾਈਂਸ, ਔਰ ਬੀ.ਏਸਸੀ. ਸਪੋਰਟਸ ਪਾਟਿਆਕਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨੇ ਕੇ ਲਿਏ ਅਸਥਾਈ ਸੰਬੰਧਤ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨੇ ਕਾ ਨਿਰਣਾ ਲਿਆ ਗਿਆ। ਇਸਕੇ ਅਤੀਰਿਕਤ, ਸ਼ੈਕਿਕ ਕਾਲੋਜ਼ੋਂ ਕੇ ਨਿਰੀਕਣ ਰਿਪੋਰਟਾਂ ਕੋ ਭੀ ਪਰਿ਷ਦ ਕੇ ਸਦਸ਼ਾਂ

ਦਾਗ ਅਨੁਮੋਦਨ ਕਿਯਾ ਗਿਆ। ਵਿਖਵਿਦਾਲਾਅ ਕੇ ਸ਼ਿਕਣ ਵਿਭਾਗਾਂ ਔਰ ਸੰਬੰਧ ਕਾਲੋਜ਼ੋਂ ਕੇ ਸ਼ਾਤਕ (ਯੂ.ਜੀ.) ਔਰ ਸ਼ਾਤਕੋਤਰ (ਪੀ.ਜੀ.) ਕਾਰਕਮਾਂ ਕੇ ਅੰਤਿਮ ਸੈਮੇਸਟਰ ਕੇ ਪੁਨ: ਪ੍ਰੋਕੋ ਦੇਨੇ ਵਾਲੇ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਕੇ ਲਿਏ ਵਿਸ਼ੇ਷ ਔਰ ਮਸ਼ਾ ਚਾਂਸ ਕੀ ਸ਼ੀਕੂਤ ਭੀ ਦੀ ਗਈ।

ਇਸ ਅਵਸਰ ਪਰ ਵਿਖਵਿਦਾਲਾਅ ਕੀ ਉਪਲਾਖਿਆਂ ਕੋ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨੇ ਵਾਲਾ ਏਕ ਵਾਧਕ ਵ੍ਰਤਚਿੰਨ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਨ ਕਿਯਾ ਗਿਆ। ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਨ ਮੇਂ ਭਵਿ਷ਾ ਕੀ ਯੋਜਨਾਓਂ, ਜੈਸੇ ਅੱਨਲਾਇਨ ਸ਼ਿਕਣ ਸੰਸਾਧਨਾਂ ਕੇ ਵਿਸ਼ਾਰ, ਤਾਂਧੀਅ-ਸ਼ੈਕਣਿਕ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਕੋ ਬਢਾਨਾ ਔਰ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਮੇਂ ਸਥਾਈ ਪ੍ਰਥਾਓਂ ਕੋ ਬਢਾਵਾ ਦੇਨਾ ਆਦਿ, ਕੋ ਭੀ ਰੇਖਾਕਿਤ ਕਿਯਾ ਗਿਆ। ਸਤ੍ਰ ਦੌਰਾਨ ਚੰਚਾਏ ਜੀਕਾਂ ਥੀਂ, ਜਿਸਮੇਂ ਸਦਸ਼ਾਂ ਨੇ ਸ਼ਿਕਾ ਕੀ ਗੁਣਵਤਾ ਕੋ ਔਰ ਊਂਚਾ ਕਰਨੇ ਕੇ ਲਿਏ ਸਵੋਤਮ ਪ੍ਰਥਾਓਂ ਪਰ ਵਿਚਾਰਾਂ ਕੋ ਆਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਿਯਾ।



एनईपी के अनुरूप पाठ्यक्रमों और योजनाओं को दी मंजूरी

जागरण संवाददाता • जीद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में वीसी प्रोफेसर रामपाल सैनी की अध्यक्षता में 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक की। वीसी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक ज्ञान आधारित समाज के निर्माण का खाका है। इन संशोधित योजनाओं, पाठ्यक्रमों और अन्य शैक्षिक पहलुओं को मंजूरी देकर हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि छात्र भविष्य के लिए तैयार कौशल, अंतर्विषयक ज्ञान और मजबूत नैतिक आधार से लैस हों।

स्वीकृत पाठ्यक्रमों में लचीली क्रेडिट प्रणाली, व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण और अनुसंधान व अनुभावात्मक शिक्षा पर जोर शामिल है। जो कला, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा और व्यावसायिक अध्ययन जैसे क्षेत्रों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कार्यक्रमों को लाभान्वित करेगा। विश्वविद्यालय परिसर में हुई इस बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों (यूटीडी) और संबद्ध कालेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अद्यतन योजनाओं व पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी। इसके साथ ही, शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बीएड, बीएड विशेष शिक्षा, बीए बीएड, बीएससी. बीएड, एमएड, एमएड विशेष शिक्षा और एमपीईएस के प्रोस्पेक्टस को भी स्वीकृति प्रदान की। बैठक में विभिन्न शिक्षा कालेजों को बीबीए, बीएससी कंप्यूटर साइंस और बीएससी स्पोर्ट्स पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अस्थायी संबद्धता प्रदान करने का निर्णय लिया। शैक्षिक कालेजों के निरीक्षण रिपोर्टों को भी परिषद के सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में वीसी प्रोफेसर रामपाल सैनी की अध्यक्षता में हुई 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का वृत्तचित्र किया प्रस्तुत

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला एक व्यापक वृत्तचित्र प्रस्तुत किया। इस वृत्तचित्र में शैक्षणिक अनुसंधान, बुनियादी ढांचे के विकास, विद्यार्थियों की उपलब्धियों, सामुदायिक पहुंच कार्यक्रमों और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग जैसे महत्वपूर्ण मील के पत्थर दिखाए गए। वृत्तचित्र में पूर्व विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों की प्रशंसना भी शामिल थी। परिषद के सदस्यों ने इसकी सराहना की और इसे विश्वविद्यालय की प्रगति का प्रेरणादायक प्रमाण बताया।

भविष्य की योजनाओं पर चर्चा
विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। जिसमें नामांकन रुझान, अनुसंधान परिणाम, संकाय विकास पहल और हाल के वर्षों में लागू की छात्र केंद्रित सुधारों पर अपडेट शामिल थे। प्रस्तुति में भविष्य की योजनाओं जैसे आनलाइन शिक्षण संसाधनों का विस्तार, उद्योग-शैक्षणिक भागीदारी को बढ़ाना और परिसर में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना आदि को भी रेखांकित किया गया।

विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संबद्ध कालेजों के स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर के पुनः परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए विशेष और मसी चांस की स्वीकृति भी दी।

सीआरएसयू शैक्षणिक परिषद की बैठक आयोजित यूजी और पीजी अंतिम सेमेस्टर के पुनः परीक्षा देने वालों को मिलेगा मर्सी चांस

एनपीईएस
के प्रॉस्पेरेटस को
नी स्वीकृति
प्रदान की

हरिभूमि न्यूज़ ||| जैद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ; सीआरएसयूद्ध जॉद ने उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी की अध्यक्षता में अपनी 26वीं शैक्षणिक परिषद को बैठक आयोजित की। प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक ज्ञान आधारित समाज के निर्माण का खाका है। इन संशोधित योजनाओं, पाठ्यक्रमों और अन्य शैक्षणिक पहलुओं को मंजूरी देकर हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे छात्र भविष्य के लिए तैयार कौशल, अंतर्विषयक ज्ञान और मजबूत नैतिक आधार से लैस हों। स्वीकृत पाठ्यक्रमों में लचीली क्रेडिट प्रणाली, व्यवसायिक शिक्षा का एकीकरण और अनुसंधान तथा अनुभावात्मक शिक्षा पर जोर शामिल है जो कला, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा और व्यावसायिक अध्ययन जैसे क्षेत्रों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कार्यक्रमों को लाभान्वित करेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ज्ञान आधारित समाज के निर्माण का खाका: सैनी



जैद। परिषद की मीटिंग में मौजूद सदस्य।

फोटो: हरिभूमि

मर्सी चांस की स्वीकृति दी

विश्वविद्यालय के शिक्षण डिनर्स और संबद्ध कॉलेजों के स्वातक (यूजी) और स्वातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर के पुनः परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए विशेष और जर्वी चार्ट की स्वीकृति दी गई। इस अवसर पर

विश्वविद्यालय ने उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला एक व्यापक कूलिंग्र

प्रस्तुत किया गया। इस कूलिंग्र में शैक्षणिक अनुसंधान, शुल्कियादी दोषों के विकास, छात्रों की उपलब्धियों और समुदायिक पृष्ठें कारबोर्नों और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग जैसे गहनतार्थी मौल के प्रत्यक्ष विज्ञान वाद। कूलिंग्र में पूर्वी छात्रों और सकाय सदस्यों वैश्वकृति वी शामिल थी। जो सीआरएसयू की

उत्कृष्टता और सामाजिक समावेश की प्रति प्रतिक्रिया को स्वीकृत करती है।

परिषद के स्वरस्यों ने इसकी स्वाक्षरी की और इसे विश्वविद्यालय की प्रजाति का प्रेरणादायक प्रमाण बताया। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रजाति पर एक विस्तृत

प्रस्तुति दी गई। जिसमें वार्षिकों रूपांतर, अनुसंधान परिणाम, संकाय विकास पहल और हाल के वर्षों में लाभू की नई छात्र केंद्रित युवाओं पर अपडेट शामिल थे। प्रस्तुति में अविष्य की योजनाओं जैसे ऑफलाइन विषयां संरचनाएं का विस्तार, उद्योग शैक्षणिक आवृद्धरी को बढ़ावा और परिसर पर स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना आदि की भी रूपांतरण किया गया।

करने के लिए अस्थायी संबद्धता प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त शैक्षणिक कॉलेजों

यूजी-पीजी अंतिम सेमेस्टर वालों को मिलेगा मर्सी चांस

चौधरी रणबीर सिंह विवि की शैक्षणिक परिषद की बैठक में लिया गया निर्णय

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। शिक्षण विभागों और संबद्ध कॉलेजों के स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर की दोबारा परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए मर्सी चांस की स्वीकृति दी गई। यह निर्णय चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. रामपाल सैनी की अध्यक्षता में हुई 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक में हुआ।

इस दौरान प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक ज्ञान आधारित समाज के निर्माण का खाका है। इन संशोधित योजनाओं, पाठ्यक्रमों और अन्य शैक्षिक पहलुओं को मंजूरी देकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे छात्र भविष्य के लिए तैयार कौशल, अंतर्विषयक ज्ञान और मजबूत नैतिक आधार से लैस हों।

स्वीकृत पाठ्यक्रमों में लचीली क्रेडिट प्रणाली, व्यवसायिक शिक्षा का एकीकरण और अनुसंधान तथा अनुभावात्मक शिक्षा पर जोर शामिल है जो कला, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा और



सीआरएसयू में परिषद की मीटिंग में मौजूद सदस्य। स्रोत : विवि

व्यावसायिक अध्ययन जैसे क्षेत्रों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कार्यक्रमों को लाभांवित करेगा।

बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों (यूटीडी) और संबद्ध कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अद्यतन योजनाओं तथा पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बीएड, बीएड विशेष शिक्षा, बीए

बीएड, बीएससी बीएड, एमएड, एमएड विशेष शिक्षा और एमपीईएस के प्रॉस्पेक्टस को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में विभिन्न शिक्षा कॉलेजों को बीबीए, बीएससी कंप्यूटर साइंस और बीएससी स्पोर्ट्स पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अस्थायी संबद्धता प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

इसके अतिरिक्त शैक्षिक कॉलेजों के निरीक्षण रिपोर्टों को भी परिषद के सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया।

सीआरएसयू में हुई शैक्षणिक परिषद की बैठक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रमों और योजनाओं को मंजूरी

**संजय शर्मा**

जींद, (इंडिया टाइमर): चौथी राजीव सिंह अन्य शैक्षिक पहलुओं को मंजूरी देकर, हम यह विश्वविद्यालय यानि सीआरएसयू ने उच्च शिक्षा को गणीय मानकों के अनुरूप लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कुलगुरु प्रो. गम पाल सैनी की अध्यक्षता में 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान प्रो. गम पाल सैनी ने अपने संबोधन में कहा, कि गणीय शिक्षा नीति -

खाका है। इन संशोधित योजनाओं, पाठ्यक्रमों और सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे छात्र भविष्य के लिए तैयार कौशल, अंतर्विषयक ज्ञान और मजबूत नैतिक आधार से लैस हों। स्वीकृत पाठ्यक्रमों में लचीली ट्रेडिंग प्रणाली, व्यवसायिक शिक्षा का एकीकरण और

स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कार्यक्रमों को लाभान्वित करेगा। विश्वविद्यालय परिषद में आयोजित इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें गणीय शिक्षा छात्रों की उपलब्धियों, समुदायिक पहुंच कार्यक्रमों नीति (एसईपी) 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों (यूटीडी) और संबद्ध कौलेजों के बीच विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अद्यतन योजनाओं और पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही, शैक्षणिक प्रॉफेसर्स को भी स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में विभिन्न शिक्षा कौलेजों को बी.ए.डी., बी.ए.ड. विशेष शिक्षा, बी.ए. बी.ए.डी., बी.एससी. बी.ए.ड., एम.ए.ड. विशेष शिक्षा, और एम.पी.ई.एस. के प्रॉफेसर्स को भी स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में विभिन्न शिक्षा कौलेजों को बी.बी.ए., बी.एससी. कंयूटर साइंस, और बी.एससी. स्पोर्ट्स पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अस्थायी संबद्धता प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त, शैक्षिक कौलेजों के नियोजित रिपोर्टों को भी परिषद के सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया। विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संबद्ध कौलेजों के स्नातक (यजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों के अंतम समेस्टर के पुनः परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए विशेष और मर्सी चांस की स्वीकृति भी दी गई। इस अवसर पर, विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला एक व्यापक वृत्तिचर प्रस्तुत किया गया। इस वृत्तिचर में शैक्षणिक अनुसंधान, बुनियादी ढांचे के विकास, और गणीय व अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग और गणीय व अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग जैसे महत्वपूर्ण मील के पथर दिखाए गए। वृत्तिचर में पूर्व छात्रों और संकाय सदस्यों की प्रशंसनाएं भी शामिल थीं, जो सीआरएसयू की उल्लङ्घन और सामाजिक प्रभाव के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। परिषद के सदस्यों ने इसकी सरहना की ओर इसे विश्वविद्यालय की प्राप्ति का प्रेरणादायक प्रमाण बताया। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्राप्ति पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई, जिसमें नामांकन रुद्धान, अनुसंधान परिणाम, संकाय विकास पहल और हाल के वर्षों में लागू की गई छात्र-कोर्डिनेट सुधारों पर अपडेट शामिल थे। प्रस्तुति में भविष्य की योजनाओं, जैसे ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों का विस्तार, डियोग-शैक्षणिक भागीदारी को बढ़ावा और परिसर में स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना आदि, को भी रेखांकित किया गया। सत्र के दौरान चर्चाएं जीवंत थीं, जिसमें सदस्यों ने शिक्षा की गुणवत्ता को और उंचा करने के लिए संवैत्तम प्रथाओं पर विचारों का आदान-प्रदान किया।